

---

shrIskandaShaTkam

श्रीस्कन्दकवचम्

Document Information

---

Text title : skandaShaTkam

File name : skandaShaTkam.itx

Category : ShaTkam, subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail, PSA Easwaran

Description-comments : Subrahmanya Stuti Manjari, Mahaperiaval Trust

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : December 22, 2016

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 3, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीस्कन्दषट्कम्

---



ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

षड्भुजं पार्वतीपुत्रं कौञ्चशैलविमर्दनम् ।

देवसेनापतिं देवं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ १ ॥

तारकासुरहन्तारं मयूरासनसंस्थितम् ।

शक्तिपाणिं च देवेशं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ २ ॥

विश्वेश्वरप्रियं देवं विश्वेश्वरतनूद्भवम् ।

कामुकं कामदं कान्तं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ ३ ॥

कुमारं मुनिशार्दूलमानसानन्दगोचरम् ।

वल्कीकान्तं जगद्योनिं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ ४ ॥

प्रलयस्थितिकर्तारं आदिकर्तारमीश्वरम् ।

भक्तप्रियं मद्योन्मत्तं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ ५ ॥

विशाखं सर्वभूतानां स्वामिनं कृत्तिकासुतम् ।

सदाभवं जटाधारं स्कन्दं वन्दे शिवात्मजम् ॥ ६ ॥

स्कन्दषट्कं स्तोत्रमिदं यः पठेत् शृणुयान्नरः ।

वाञ्छितान् लभते सद्यश्चान्ते स्कन्दपुरे प्रजेत् ॥ ७ ॥


इति श्रीस्कन्दषट्कं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com,

PSA Easwaran

---

pdf was typeset on March 3, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

